#  

－Vol．VI，No．29．－－Whole No． 298







Wine inioned foum hib sineged eallil

 Bonar＇s Hyms on of Faith and Hope：

## MORALIT INSUMMCLEND LETTER TO A



























 ond partiuar himwinited to igharer

 toeling gait，and haggard yefest hipuruuse tui isthat che

|  |
| :---: |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |




PHILADELPHIA，THURSD AY MARCH 20， 1862.

| onded enemies |  |  |
| :---: | :---: | :---: |
|  |  |  |
| ced in a dwelling hou |  |  |
|  |  |  |
| Dr：Vorrtes，，hating stadid | inthe |  |
| 1 Iintoduced myself | Cide |  |
|  | ，intic |  |
| nly，maneri．Atites |  |  |
| doetor， who is th |  |  |
| ister，T addre |  |  |
|  |  |  |
| Jeasis，andid soon found that our prisonerer was |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
| 1adiess of Patuahh generaly，diepote them | that |  |
|  |  |  |
| hity bow，${ }^{\text {as }}$ S |  |  |
|  |  |  |
| tion．＂In this room |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
| They promised me mit |  |  |
| were conyulescent thioy |  |  |
| rryeer meteingsts ind diabor for | be deatroged；and ony what the derigha |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
| dirt of |  |  |
| xt toomit 1 Pponed |  |  |
|  |  |  |
| fin |  |  |
|  |  |  |
| and cares Onitside are mulitudes eageity |  |  |
|  | Trsiri |  |
| or poititics，Wher are the sidibs whith yes | BINSER APD Geman ribought |  |
| － | T Wrom the spotididix wo Mdico |  |
| whi |  | Thate |
|  | Cairt | ${ }^{\text {ate }}$ |
| pnemmonia，They had sutured sererelf from |  |  |
|  | Ast the name of Bumed hai benemplored | －ox |
|  |  |  |
| here in the hospital，they were all anxious |  |  |
|  | 1 Itei |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
| hureh |  |  |
| papers，and inviting them to the same Sa． | 践 | atention to the |
|  |  | Bunsen for his wis |
| ith | tit |  |
|  | gula |  |
| told that：theysy wold be．breated like | wids sure：this |  |
| if taken iby the Yankees They yere |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
| frise |  |  |
|  | （e） |  |
| Rinet |  |  |
|  | with |  |
| Poserne looking very weak．＂Howold | teresting as many of hiw woitings are，they |  |
|  | 为 | What It |
| feel when yout thought yod |  |  |
| so？Do yon lote the Lord Jesas | dome，he | ， |
| g is it since yon became a 2 ． |  | 隹 |
|  |  |  |
|  | cha |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
| DULIEP TS FBOM ETE | digher |  |
| DLLVER US PROM EVL： | into the brigh before me his |  |
|  | treative the it |  |
|  |  | intic |
|  | men jub mayy god | at： |
| aid hitit foin ciside ard fil | of holding coinfeent |  |
|  |  | ${ }_{\text {a }}^{\text {anaz }}$ |
| deck，froin the merchan |  |  |
| ＂Deiter us from erip What expline the |  |  |
|  |  |  |
|  | Binien，stritetehes oit＇beioro me mide，and |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
| hisis doly，the Chirstain to hisis？ | he．dvelit onn hisi contemplated pod |  |
|  |  |  |
| nd the presesure ot an，in irres |  |  |
|  |  |  |
| pectation of the tereture maitethif for the |  |  |
| from |  |  |
| （lorious 1 |  |  |
|  |  |  |
| eth，in pain together untili：nom；mati |  |  |
|  |  |  |
| ${ }_{\text {nat }}$ | of thied wiotrit |  |
|  |  |  |
| is not the natural |  |  |
|  |  |  |
| If evil was originally made by God；iff evil |  |  |
| or celestial econoniy ；then to pray to be de |  |  |
|  |  |  |


|  |  |
| :---: | :---: |
| spae and time． Il | Sormilis |
|  |  |
| particular，that we |  |
|  |  |
| raied diur mind to the oftemplation of God |  |
| I thou |  |
| then | late |
| breal |  |
|  |  |
| tious： |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
| ity church | Mpits |
|  |  |
| Gospèl sermon fo |  |
| Chataterion in hi |  |
|  |  |
|  | enceithas had tod to |
|  |  |
| lieve，he has now been carri |  |
|  |  |
| manduat by |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
| the brancelocil hluaces charag－ |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
| ${ }^{3}$ |  |
|  |  |
|  |  |



